

केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान परिसर, मोदीपुरम, मेरठ (उ.प्र.)

विश्व मृदा दिवस (05 दिसम्बर, 2018) का आयोजन

इस परिसर पर दिनांक 05 दिसम्बर, 2018 को विश्व मृदा दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर “मृदा स्वास्थ्य का महत्व एवं आलू की उन्नत खेती” विषय पर के किसान गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें 84 किसानों ने भाग लिया। मृदा स्वास्थ्य के इस विशेष आयोजन के मुख्य अतिथि प्रोफेसर गया प्रसाद, कुलपति, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ एवं विशिष्ट अतिथि इस परिसर से सेवानिवृत्त पूर्व प्रधान वैज्ञानिक डॉ एन सी उपाध्याय रहे। कार्यक्रम के उदघाटन समारोह में डॉ विजय किशोर गुप्ता, प्रधान वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का परिचय दिया और आयोजन रूपरेखा पर प्रकाश डाला। इसके बाद परिसर के संयुक्त निदेशक डॉ मनोज कुमार ने अपने स्वागत संबोधन में समारोह में पधारे सभी अतिथियों एवं किसानों का स्वागत किया और मृदा स्वास्थ्य एवं संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जिस रूप में हमें मृदा प्राप्त हुई है उसी रूप में भावी पीढ़ियों तक ले जाने का आह्वान किया। तत्पश्चात डॉ एन सी उपाध्याय ने मृदा की स्वास्थ्य और गुणवत्ता को बनाए रखने पर बल दिया और मृदा को कृषि की आत्मा बताया। आयोजन में पधारे किसानों में से एक प्रगतिशील किसान श्री दाताराम जी मृदा के महत्व को संक्षिप्त और सरल शब्दों में बताया एवं मृदा की तुलना मानव शरीर से की और बताया जिस प्रकार हमारा शरीर रसायनों और दवाइयों के अधिक प्रयोग से खराब हो जाता है उसी प्रकार कृषि में अंधाधुंध जहरीले रसायनों के प्रयोग से मृदा का स्वास्थ्य खराब हो जाता है। मुख्य अतिथि प्रोफेसर गया प्रसाद जी ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य को जलवायु परिवर्तन से जोड़ा और बताया कि मृदा का स्वास्थ्य खराब होने पर वातावरण में प्रतिकूल असर पड़ता है, जिसका दुष्परिणाम समस्त मानव जाति पर पड़ता है। इसके पश्चात किसान गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें मृदा स्वास्थ्य और आलू की उन्नत खेती विषय पर परिसर के वैज्ञानिकों द्वारा चर्चा की गई और उपस्थित किसान भाइयों की समस्याओं का समाधान किया गया।

